रामायण

रामायण श्री राम जी की कहानी है अर्थात पितृवाक्य का पालन करना और पिरामिडायण अर्थात पिरामिड मास्टर्स की कहानी या सत्य का पालन करना अर्थात सत्यवाक परिसाधना।

वचन तीन पकार के हैं-बुरे, अच्छे और सच्चे। सभी पिरामिड मास्टर्स सत्यवाक परिसाधक हैं सत्यवाक आत्मानुभव से आते हैं। सबको आत्मा के नाम से पुकारते हैं।

सत्यम् शरणम् गच्छामि।

सत्यवाक शरणम् गच्छामि,

सत्यवाक अभ्यास शरणम् गच्छामि।